मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, (समस्तीपुर) बिहार-848125

कुलपति महोदय का संदेश

मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि प्रसिद्ध पत्रिका द नॉलेज रिव्यु ने अपने सितम्बर 2020 के अंक में हमारे विश्विद्यालय को शीर्ष दस विश्विद्यालयों की श्रेणी में स्थान दिया है जो कि हाल ही में इंडिया टुडे समूह द्वारा किये गए सर्वेक्षण की पुष्टि करता है जिसमे रा.प्र.के.कृ.वि. को देश के शीर्ष दस विश्विद्यालयों में जगह मिली थी। विश्विद्यालय की नित नए सफलता की कहानियों का सुगंध पुरे देश में फ़ैल रहा है जिससे यह विश्विद्यालय पुरे देश से छात्रों एवं शिक्षकों को अपनी ओर आकर्षित कर राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण कृषि संस्थान के रूप में उभरा है। यह उपलब्धि विश्विद्यालय के छात्रों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों के अथक प्रयासों का फल है। हम नए छात्रों के समग्र विकास एवं व्यवसाय को उन्नत एवं सही आकर देने हेतु विश्विद्यालय में उनके स्वागत के लिए तैयार है। कोविड 19 के कारण हुए लम्बे अंतराल उपरांत परिसर में आये परास्नातक एवं शोधार्थी छात्रों का भी स्वागत करता हूँ। रबी की बुआई का समय आ रहा है, विश्विद्यालय किसानो की आय बढ़ाने हेतु सभी संभव सामग्री एवं ज्ञान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

अंत में मैं सभी छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को दीपावली एवं छठ पूजा की बहुत बहुत शुभकामनाए देता हूँ तथा ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि सभी स्वस्थ्य एवं प्रसन्न रहे। धन्यवाद !

कुलपति महोदय की संलिप्तता

- दिनाँक 01-10-2020 को केंद्रीय मात्स्यिकी प्रौधोगिकी संस्थान, कोचीन द्वारा वर्चुअल मोड में आयोजित इंप्लांट प्रशिक्षण कार्यक्रम में समापन समारोह की अध्यक्षता की।
- दिनाँक 02-10-2020 को "गाँधी जयंती" के सुअवसर पर वर्चुअल मोड में आयोजित कार्यक्रम"कृषि एवं स्वच्छता पर गाँधी दर्शन" में व्याख्यान दिया।
- दिनाँक 03-10-2020 को "चावल प्रक्षेत्र दिवस" के अवसर पर वैज्ञानिक एवं किसानो को वर्चुअल मोड में सम्बोधित किया।
- दिनाँक 04-10-2020 को दूरदर्शन के "बिहार विहान कार्यक्रम में" विश्विद्यालय द्वारा प्रवासी मजदूरों के लिए किये गए प्रयासों पर प्रकाश डाला।
- दिनाँक 07-10-2020 को आयोजित राष्ट्रिय बेविनार "कृषि जल प्रबंधन हेतु भू-स्थानिक दृष्टिकोण" की अध्यक्षता की।.

- दिनाँक 07-10-2020 को सचिव, कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग की अध्यक्षता में विश्विद्यालय की गतिविधियों में विविधीकरण के प्रस्ताव बैठक में भाग लिया।
- दिनाँक 07-10-2020 को "कृषि में ओमिक्स" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय बेविनार की अध्यक्षता की।
- दिनाँक 08-10-2020 को भ.कृ.अनु.प. की क्षेत्रीय समिति संस्था II के 25वी राष्ट्रीय बेविनार की अध्यक्षता की।.
- दिनाँक 10-10-2020 को नरेंद्र देव यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, अयोध्या (उ.प्र.) के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम "पर्यावरण और कृषि: सतत भविष्य की ओर" विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनाँक 02-10-2020 से 15-10-2020 तक सरस्वती गार्डेन में आयोजित रबी 2020 की 9वी अनुसन्धान परिषद् के बैठक की अध्यक्षता की।

खंड -1, अंक -5
नवंबर, 2020

संरक्षक :

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

संकलन एवं संपादन :

डॉ. (*राकेश मणि शर्मा, रत्नेश. कु. झा, पी. कु. प्रणव, अंकुर जामवाल, आशीष कु.पंडा, गुप्तनाथ त्रिवेदी,* कु. राज्यवर्धन)

प्रकाशन:

प्रकाशन प्रभाग, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क : www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

- भा.कृ.अनु.प. के 251वी शासकीय भाग की बैठक में दिनांक 15-10-2020 को शिरकत की।
- संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) की 75वी "विश्व खाद्य दिवस" के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में भागीदारी की।
- दिनाँक 17 से 18 अक्टूबर 2020 के दौरान भारतीय कृषि विश्विद्यालय समूह के सामान्य भाग के बैठक में भागीदारी की जिसमे सीधी नियुक्ति एवं करियर विकास योजना से सम्बंधित विषय पर चर्चा हुई।
- "कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी में नैनोटेक्नोलाजी" विषय के बेविनार की अध्यक्षता की।
- राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के द्वारा आयोजित चर्चा सत्र "भारत के उच्च कृषि शिक्षा में बदलाव" पर दिनाँक 20-10-2020 को भाग लिया।
- दिनाँक 20-10-2020 को आगा खान ग्रामीण समर्थन कार्यक्रम (भारत) द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र,बिरौली में आयोजित कार्यक्रम (ए.के.आर.ऐस.पि.आई) और फ़ार्म एवं कृषि अवार्ड में बतौर विशिष्ट अतिथि लिया।
- दिनाँक 20-10-2020 को कृषि में स्मार्ट जल प्रबंधन के लिए हाइड्रो इन्फोर्मेटिक विषय पर आयोजित बेविनार के उद्घाटन एवं समापन सत्र की अध्यक्षता किया।
- दिनाँक 22-10-2020 को कृतज्ञ (पूर्व)समिति की अध्यक्षता की एवं वेस्टर्न सिडनी विश्विद्यालय द्वारा कृषि कौशल सशक्तिकरण पहल के ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- दिनाँक 31-10-2020 को परिशुद्धता खेती विकास केंद्र, पंतनगर द्वारा आयोजित तकनीक सत्र "पहाड़ी कृषि के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली:चुनौती और अवसर" पर व्याख्यान दिया।
- दिनाँक 31-10-2020 को क्षेत्रीय प्रमुख, कृषि और जीवन विज्ञान महाविद्यालय, कॉर्नेल विश्विद्यालय द्वारा आयोजित "पाठ्यक्रम के चयन के लिए पाठ्यक्रम में सुधार" की चर्चा में भाग लिया।

शिक्षा:

- दिनाँक 02 अक्टूबर 2020 को मत्स्यकी महाविद्यालय ढोली एवं इडाहो विश्विद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका के संयुक्त तत्वाधान में मत्स्य विज्ञान स्नातक डिग्री प्रोग्राम के छात्रों हेतु एक वर्चुअल इंप्लांट प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।
- मत्स्य विज्ञान स्नातक डिग्री प्रोग्राम के चौथे वर्ष के छात्रों के लिए फिश फीड फॉर्मूलेशन पर ग्रोएल फिश फीड्स प्राइवेट लिमिटेड जो एशिया में जलीय कृषि फ़ीड के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है और भारत में एकमात्र फ़ीड निर्माता हैं जिनके पास व्यापक आरएंडडी सुविधा है के सहयोग से एक ऑनलाइन प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली द्वारा 10 से 22 अक्टूबर, 2020 तक व्याख्यान आयोजित किए गए जिसमे झींगा और झींगा फार्म प्रबंधन, फ़िनफ़िश फ़ीड उद्योग, फ़ीड निर्माण, फ़ीड निर्माण प्रक्रिया, तथा गुणवत्ता नियंत्रण और प्रमाणन की वर्तमान स्थिति से संबंधित विषय पर व्याख्यान दिया गया।
- 10 - 30 अक्टूबर, 2020 तक विभिन्न स्नातक और परास्नातक कक्षाओं के लिए मध्यावधि परीक्षा से सम्बंधित समस्त डिग्री कार्यक्रम वेब आधारित प्लेटफार्म के माध्यम से आयोजित किए गए।
- विभिन्न परास्नातक और डॉक्टरेट डिग्री कार्यक्रम के छात्रों ने वेब आधारित प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से आयोजित मौखिक परीक्षाएं दीं एवं अपने थीसिस कार्य का संपादन किया।

- विश्वविद्यालय पुस्तकालय ने एक वेब-आधारित एवं मोबाइल चालित डिजिटल लाइब्रेरी प्लेटफ़ॉर्म को विकसित किया है जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता अपने मोबाइल के माध्यम से हीं विश्वविद्यालय पुस्तकालय के ई-संसाधनों का उपयोग कर सकता है।

- कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय पूसा, जल विज्ञान संस्थान जल संसाधन और प्रबंधन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,रुड़की और कृषि अभियांत्रिकी विभाग, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने कृषि में स्मार्ट जल प्रबंधन के लिए 'हाइड्रोडायनामिक्स' पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

अनुसंधान:

अनुसंधान परिषद की बैठक - रबी, 2020 का आयोजन

9वीं अनुसंधान परिषद **(RCM)** रबी -2020 का आयोजन माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में दिनाँक 12 से 15 अक्टूबर 2020 तक किया गया। बैठक का आयोजन सरस्वती गार्डन के खुले परिसर में कोविड-19 के सामाजिक दुरी के मापदंडो को बनाए रखते हुए किया गया। माननीय कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय की सभी अनुसंधान गतिविधियों, विश्वविद्यालय-पोषित विभिन्न परियोजनाओं, बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं तथा भा.कृ.अनु.प. द्वारा प्रायोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं की पूरी तरह से समीक्षा की गईं। नए शोध प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एवं मान्य किस्मों और प्रौद्योगिकियों के विमोचन प्रस्तावों की भी समीक्षा की गई। इसी दौरान जोन -1 की आंचलिक अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति (ZREAC) की कार्यवाही को निदेशक अनुसंधान द्वारा प्रस्तुत की गई।

अरहर-तने के अवशिष्ट से तैयार अगरबत्ती

उन्नत अनुसंधान केंद्र ने " अवशिष्ट से धन" के तहत अरहर (काजनस काजन एल) के तने के अवशिष्ट भागों से अगरबत्ती तैयार करने का प्रयास किया। 9 वीं आरसीएम रबी - 2020 की पूर्व संध्या पर अगरवत्ती का उद्घाटन माननीय कुलपति महोदय द्वारा किया गया। महोदय ने विभिन्न फसल अवशेषों के उपयोग के संबंध में इस केंद्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

पिंजरे और फ्लोटिंग जेट्टी नावों की स्थापना

विश्वविद्यालय द्वारा एन.एफ.डी.बी. प्रायोजित परियोजना के तहत फ्लोटिंग जेट्टी बोट पर एक केज युक्त सुविधा की स्थापना की गई। माननीय कुलपति महोदय ने इस सुविधा का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक और अन्य प्रमुख पदाधिकारीगण उपस्थित रहे ।

धान पर आयोजित क्षेत्र-दिवस

भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा धान और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना प्रोजेक्ट द्वारा हाइब्रिड धान बीज उत्पादन पर 3 और 27 अक्टूबर, 2020 को क्रमशः दो अलग-अलग क्षेत्र दिवस आयोजित किए गए।इस अवसर पर माननीय कुलपति और सभी अधिष्ठाता और निदेशकों के साथ परियोजनाओं से संबंधित वैज्ञानिकगण भी उपस्थित थे।

प्रसार:

सी.आर.ए परियोजना पर कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन

सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज ऑन क्लाइमेट चेंज (CASCC) की ओर से 28-10-2020 को क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर प्रोजेक्ट के तहत एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति डॉ. आर. सी. श्रीवास्तव ने किया जबकि सह अध्यक्षता निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ एम.यस. कुंडू तथा सह निदेशक अनुसन्धान डॉ. एन. के. सिंह ने की। कार्यक्रम में डॉ.रा.प्र.के.कृ.वि. के तीन वैज्ञानिको तथा 17 कृषि विज्ञान केन्द्रो के प्रमुखों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. ए.के.सिंह, निदेशक,गन्ना अनुसन्धान संस्थान, डॉ. आर. के. जाट. (वैज्ञानिक,इंचार्ज बिसा (BISA)), डॉ. विजय कुमार मीणा, परियोजना समन्वयक, सी.आर.ए परियोजना तथा डॉ. आर. के. झा परियोजना निदेशक, सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज ऑन क्लाइमेट चेंज जैसे प्रमुख लोग उपस्थित थे। इस दौरान जलवायु अनुकूल कृषि, कस्टम हायरिंग सेंटर, आलू के बीज उत्पादन, सामुदायिक सिंचाई तथा धान-गेहूं की फसल प्रणाली तथा उत्पादकता बढ़ने से सम्बंधित सभी तकनिकी प्रश्नों पर चर्चा की गई।

कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा जैव विविधता विषय पर कृषक सलाहकार प्रशिक्षण

डॉ.रा.प्र.के.कृ.वि. के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रो में विविधता सर्वेक्षण विषय पर सरकार के कृषक सलाहकारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 7 से 17 अक्टूबर 2020 तक आयोजित इस कार्यक्रम का आयोजन बिहार राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा बिहार में पादप तथा पशु जैव विविधता पर एक डाटाबेस बनाने के लिए किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्रो में वाहनों की आपूर्ति

माननीय कुलपति डॉ. आर.सी.श्रीवास्तव महोदय ने 4 बोलेरो 10 मोटरसाइकिल तथा 10 स्कूटी कृषि विज्ञान केंद्र नरकटियागंज, लादा, परसौनी, सुखेत तथा मुरौल को सौंपे। इससे प्रसार कर्मचारियों एवं उनके प्रसार कार्यक्रमों के सशक्तिकरण एवं गति में तेजी आएगी।

संकर धान पर फिल्ड दिवस का आयोजन

तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में 27-10-2020 को माननीय कुलपति महोदय की गरिमामयी उपस्थिति में धान बीज उत्पादन पर एक फील्ड दिवस का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में सभी वैज्ञानिको ने विश्विद्यालय द्वारा जारी किये जाने वाले संकर धान के प्रभेदों की सराहना की और उम्मीद जताई की यह संकर चावल उत्पादन में एक क्रांतिकारी उछाल लाएगा।

डायग्नोस्टिक टीम ने धान प्रक्षेत्रों का दौरा किया

डॉ. आर.के.झा, निदेशक, जलवायु परिवर्तन पर अग्रिम अध्ययन के लिए केंद्र (CASCC) की अध्यक्षता में डॉ. मो. अब्बास अहमद, सहायक प्राध्यापक, कीटविज्ञान विभाग तथा राकेश रंजन, सहायक प्राध्यापक, राइस पैथोलॉजी ने धान प्रक्षेत्रों का दौरा किया तथा पाया कि मौसम के विभिन्न कारणों में हुए अचानक परिवर्तन के कारण कीट और बिमारियों का प्रकोप बढ़ गया है। बैक्ट्रियल लीफ ब्लाइट, बोर तथा धान के खेतो में फाल्स स्मट से ग्रस्त पौधे पाए गए। वैज्ञानिक इन कीटो और बीमारियों के प्रकोप को प्रभेदों और जलवायु परिस्थितियों के साथ सह सम्बन्ध स्थापित करने का प्रयास कर रहे है।

खेल अवार्ड तथा अन्य गतिविधियां:

- डॉ.रा.प्र.के.कृ.वि और इससे सम्बंधित महाविद्यालयों के सभी कर्मचारियों एवं अधिकारीयों ने 27 अक्टूबर से 2 नवंबर के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया तथा 29 अक्टूबर 2020 को भ्रष्ट आचरण से बचने और भ्रष्ट आचरण के बारे में सतर्क रहने की शपथ ली।.

- 31 अक्टूबर 2020 को डॉ.रा.प्र.के.कृ.वि पूसा की सभी इकाइयों में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 145वीं जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। विश्विद्यालय के सभी कर्मचारियों तथा 125 राष्ट्रीय स्वयं सेवको (NSS) ने राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा करने का संकल्प लिया।

- 15 से 17 अक्टूबर 2020 को कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय की ओर से "सब्जी उत्पादन में फार्म मशीनो के उपयोग एवं लाभ" विषय पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बेगूसराय जिले के 33 सब्जी उत्पादकों ने भाग लिया।

- के.कृ.वि- डॉ.रा.प्र.के.कृ.वि की ओर से 31 अक्टूबर 2020 को बी.टेक.(कृषि अभियांत्रिकी) के 2016 बैच के छात्रों को ऑनलाइन विदाई दी गई।

- आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम (भारत) तथा दिल्ली प्रेस "फार्म एंड फूड" की ओर से 20 अक्टूबर 2020 को एक पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र. बिरौली के प्रमुख तथा दो वैज्ञानिको तथा कई अभिनव किसानो को सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलपति महोदय डॉ. रमेश चंद्र श्रीवास्तव ने की। डॉ. एम. ऐस. कुंडू, निदेशक, प्रसार शिक्षा कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि थे।